

गजब हो गया भजन लिरिक्स



मारा मारा ज़माने में,
फिरता था मैं,
इनकी चौखट पे आना,
गजब हो गया,
जब सहारा मिला ना,
कहीं पर मुझे,
जब सहारा मिला ना,
कहीं पर मुझे,
इनको उंगली थमाना,
गजब हो गया।bd।

आँधिया गम की थी,
मन परेशान था,
क्या मुकद्दर मेरे,
देख हैरान था,
अब लकीरें भी,
माथे की खिलने लगी,
बस सर का झुकाना,
गजब हो गया,
मारा मारा ज़माने में,
फिरता था मैं,
इनकी चौखट पे आना,
गजब हो गया।bd।

मांगने की जरूरत,
पड़ी ही नहीं,
हाँ जरूरत से ज्यादा,
दिया श्याम ने,
एक रिश्ता बनाया था,
बस श्याम में,
इनका बस वो निभाना,
गजब हो गया,
मारा मारा ज़माने में,
फिरता था मैं,
इनकी चौखट पे आना,
गजब हो गया।bd।



हारने का मजा भी है,
‘पंकज’ अलग,
जब सहारा मिले,
श्याम सरकार का,
अब कहीं और कहने,
की फुर्सत नहीं,
इनको अर्जी सुनाना,
गज़ब हो गया,
मारा मारा ज़माने में,
फिरता था मैं,
इनकी चौखट पे आना,
गज़ब हो गया।bd।

मारा मारा ज़माने में,
फिरता था मैं,
इनकी चौखट पे आना,
गज़ब हो गया,
जब सहारा मिला ना,
कहीं पर मुझे,
जब सहारा मिला ना,
कहीं पर मुझे,
इनको उंगली थमाना,
गज़ब हो गया।bd।

Singer – Reshmi Sharma
